मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी झारखंड यात्रा के दौरान देवघर में वैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की।

सत्ता के लिये आदिवासी समुदाय को जाति आधार पर भड़काने की कोशिश

मुख्यमंत्री भजनलाल ने झारखंड सरकार पर जनता का पैसा भ्रष्टाचार में बहाने का आरोप लगाया

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवघर के प्रसिद्ध वैद्यनाथ मंदिर में विधिवत् पूजा-अर्चना की तथा परिवर्तन यात्रा को संबोधित किया।
- रांची में प्रवासी राजस्थानियों को मुख्यमंत्री ने राजस्थान में निवेश के लिये आमंत्रित किया।

देवघर/जयपुर, 28 सितम्बर। शनिवार को देवघर, झारखंड, में परिवर्तन यात्रा जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठबंधन वाली सरकार ने भ्रष्टाचार करते हुए जनता के पैसे को पानी की तरह बहाया है। इस सरकार ने अपने घोषणापत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और इसके सहयोगी दल यहां के आदिवासी समुदाय को जातिगत आधार पर भड़काने के लिए रणनीति बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी अपने सामान्य कार्यकर्ता को भी आगे बढ़ने का मौका देती है। वर्ष 2014 के बाद देश में आया सुखद परिवर्तन हम सब ने देखा है। पहले देश आतंकवाद और नक्सलवाद से जूझ रहा था। मगर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के किसान, मजदूर और आम आदमी की चिंता करते हैं। इसीलिए उन्होंने गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं चलाई हैं। किसानों को हर वर्ष किसान सम्मान निधि दी जा रही है। गांवों को सड़कों से जोड़ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासी समाज ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भावी पीढ़ियां सुख-चैन से रह सकें, इसके लिए उन्होंने अपना जीवन अर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि झारखंड की जनता 5 साल के लिए सरकार चुनने जा रही है। अपने सुखद भविष्य के लिए आपको सोच-समझ कर वोट देना है। कौनसी पार्टी आपका भला कर सकती है, इसका विचार करके ही आप अपनी सरकार चुनें।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवघर में वैद्यनाथ मन्दिर में दर्शन कर विधिवत् पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली कामना की। उन्होंने कहा कि देवघर देवताओं का घर है, इसलिए यह भूमि बहुत पवित्र है और यहां दर्शन करना सौभाग्य की बात है।

प्रवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) और मारवाड़ी समुदाय को राजस्थान से जोड़ने के अभियान के तहत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज झारखंड की राजधानी रांची में 'राइजिंग राजस्थान' प्रवासी और औद्योगिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। यह बैठक जयपुर में माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 9, 10, 11 दिसंबर को होने वाले आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के मद्देनजर हुई है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने झारखंड में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं और व्यापारिक जगत के लोगों से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में कारोबार करने व अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के अलावा, इस बैठक में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू तथा झारखंड के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, मारवाड़ी और अनिवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) समुदाय के सम्मानित सदस्य आगामी 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को सफल बनाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मैं इस समुदाय लोगों और उद्यिमयों से आग्रह करता हूं कि वे अपने मूल राज्य राजस्थान के साथ फिर से जुड़ें और प्रदेश की समृद्धि एवं आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, मुझे मारवाड़ी और एन.आर.आर. समुदाय के प्रति राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा के प्रयासों को देखकर गर्व और खुशी हो रही है। इन्वेस्टमेंट समिट से पहले राजस्थान सरकार द्वारा की गई गहन तैयारियों और जमीनी कार्य से पैदा हुई चर्चा दूर-दूर तक फैल रही है। इससे पहले, झारखंड पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों का भव्य स्वागत झारखंड के प्रवासी राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय के नेताओं ने रांची हवाई अड्डे पर किया।

चुनाव आयुक्त ने 26 नवम्बर तक महाराष्ट्र चुनाव के संकेत दिये

टीम ने दौरे किए व अधिकारियों के साथ बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रैंस में चुनाव आयुक्त ने यह कहा

- राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने दीवाली जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तिथि तय करने की मांग की।

मुंबई, 28 सितंबर। महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले विधानसभा चुनाव करा लिए जाएंगे। इसका ऐलान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने किया है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोग की टीम महाराष्ट्र के दौरे पर है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव 26 नवंबर तक करा लिए जाएंगे।

केन्द्रीय चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि, चुनाव आयोग की टीम तीन दिवसीय दौरे पर थी। इस दौरान आयोग ने विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अधिकारियों के साथ कई बैठकें की और तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी मुलकात हुई और उन्होंने हमें दिवाली जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की घोषणा करने को कहा। राजनीतिक दलों ने अधिकारियों के ट्रांसफर में पारदर्शिता की मांग के साथ ही, 17 सी उपलब्ध कराए जाने की मांग की। 17 सी की कॉपी वोट प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद पोलिंग एजेंट को दी जाएगी। सोशल मीडिया पर भी नजर रखनी होगी कि कोई गलत और भ्रामक खबरें न फैलाए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि महाराष्ट्र में कुल वोटर्स 9.59 करोड़ हैं। कुल पोलिंग बूथों की संख्या 1,00,186 (एक लाख 186) है। शहरी इलाकों में 42,585 बूथ हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में 57,601 बूथ हैं। उन्होंने कहा कि, पोलिंग बूथ पर सभी मूलभूत सुविधा मुहैय्या कराई जाएंगी। वरिष्ठ नागरिक, जो पोलिंग बूथ पर नहीं आ सकते, उनको घर से वोट देने का इंतजाम किया जाएगा। अगर हमें चॉपर से भी जाने की जरूरत पड़ेगी तो हम जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हम 90 मिनट में समस्या को सुलझाएंगे

हाईकोर्ट में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि देश भर में एक ही कानून लागू होगा और विभाग अलग-अलग मामलों पर अलग-अलग मापदण्ड नहीं लगा सकते, इसलिए जो सीमा केन्द्र सरकार के सर्कुलर द्वारा तय कि गई है वह सीमा सभी पर लागू होगी। अदालत ने कर विभाग के अलग-अलग वकीलों द्वारा दिए गए अलग-अलग बयानों से प्रभावित सभी लंबित मामलों पर अपने आदेश को लागू करने के आदेश दिए हैं ताकि स्थिती स्पष्ट रहे।

फैमिली कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रकम को छिपाया है और ऐसा इस आशय से किया, ताकि वह पत्नी को कम भरण-पोषण की राशि दे सके। ऐसे में अप्रार्थी के खिलाफ विधिक कार्रवाई किया जाना न्यायोचित है।

कोर्ट ने पति को निर्देश दिया है कि वह प्रार्थिया पत्नी को हर महीने 9000 रुपए व बेटी को 7000 रुपए यानि कुल16 हजार रुपए भरण-पोषण भत्ते की राशि दे। यह राशि परिवाद दायर करने की तारीख एक जुलाई 2021 से एक मुश्त दी जाएगी और उसके बाद हर महीने की10 तारीख को राशि का भुगतान किया जाए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता डी.एस. शेखावत ने बताया कि प्रार्थिया की शादी 2008 में हुई थी। इसके बाद पति ने उसे सन् 2010 में घर से निकाल दिया। प्रार्थिया ने भरण-पोषण राशि देने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर किया, जिस पर कोर्ट ने 18 अक्टूबर 2016 के आदेश से पति को उसे 9000 रुपए भरण-पोषण राशि देने का निर्देश दिया।

बाद में प्रार्थिया ने 2021 में इस राशि को बढ़वाने के लिए पुन: प्रार्थना पत्र दायर किया और खुद व बेटी के लिए हर महीने 40 हजार रुपए मांगे, लेकिन कोर्ट में पति ने शपथ पत्र में कम आय बताई, जबकि प्रार्थिया की ओर से उसकी ब्याज से मिलने वाली आय की जानकारी दी गई। पति के तथ्य छिपाने को कोर्ट ने गंभीर माना।

स्टालिन ने अपने बेटे को बनाया डिप्टी सी.एम.

तमिलनाडु, 28 सितंबर। तमिलनाडु कैबिनेट में बड़ा फेरबदल किया गया है। उदयनिधि स्टालिन को डिप्टी सीएम बनाया गया है।

- तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंत्रिमंडल में भारी फेरबदल किया है। नये मंत्रियों को 29 सितम्बर 3:30 बजे राज भवन में शपथ दिलाई जाएगी।

राज्य के सीएम एमके स्टालिन ने वी सेंथिल बालाजी, डॉ गोवी चेझियान, आर राजेंद्रन और एस.एम. नासर को मंत्रिपरिषद में शामिल करने की सिफारिश की है। राज्यपाल ने सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। मनोनीत मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह 29 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राजभवन, चेन्नई में आयोजित किया जाएगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि को शनिवार को कैबिनेट में फेरबदल के बादउपमुख्यमंत्री बनाया गया। हाल ही में जमानत पर रिहा हुए डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को भी फिर से मंत्री बनाया गया है।

'येचुरी वर्तमान राजनीति में भरोसेमंद मित्र थे'

राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि सभा में सीताराम येचुरी को गठबंधन व कांग्रेस का सेतु बताया

- "यह येचुरी की खासियत थी कि खुद राजनीतिक सिस्टम में रहते हुए सबका भरोसा बनाकर अपने काम करते थे।"

नयी दिल्ली, 28 सितंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत नेता सीताराम येचुरी को याद करते हुए शनिवार को कहा कि वह वर्तमान राजनीति में, उनके ऐसे मित्र थे, जिन पर भरोसा किया जा सकता था।

गांधी ने आज यहां ताल कटोरा स्टेडियम में येचुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा, येचुरी भरोसे के राजनीतिज्ञ थे जो समझौता नहीं कर सकते थे। इंडिया समूह की मजबूती के लिए येचुरी हमेशा पर्दे की पीछे से काम करते रहे और वे गठबंधन तथा कांग्रेस के बीच एक सेतु की तरह थे।" गांधी ने कहा,"मेरे लिए सीताराम येचुरी जी एक मित्र थे, जो खुद राजनीतिक सिस्टम में रहते हुए सबका भरोसा बनकर अपना काम करते थे। लोगों के लिए राजनीति के भीतर की हलचल देखना आसान नहीं होता है। भीतर से राजनीति अक्षम्य, कठोर और असुविधाजनक जगह है क्योंकि अक्सर यहीं से खराब चीजें सामने आती हैं। वे सबको प्रभावित करती हैं और इसी राजनीति में दुर्लभ तथा सर्वश्रेष्ठ फैसले भी होते हैं। मैंने अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने के पहले दिन से ही येचुरी को देखा था और मैंने उन्हें काफी ध्यान से देखा था। मुझे उनमें ऐसा व्यक्तित्व मिला, जिनमें लचीलापन था और वे दूसरों की बात सुनते थे।" येचुरी की राजनीति की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा,"एक तरह से वह कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के बीच एक सेतु थे। दो तरह के लोग होते हैं, जो सामने दिखते हैं और दूसरे वे होते हैं, जो आधार वर्क अदृश्य होकर करते हैं। अदृश्य और छिपे हुए लोग गठजोड़ को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं कहूंगा कि येचुरी एक ऐसी शख्सियत थे जो सबको एक साथ बांधे हुए थे। उनमें लचीलापन था, वह लोगों की सुनते थे। उनमे क्रोध, आक्रामकता और अहंकार नहीं था और संवेदनशीलता से भरा यह व्यक्तित्व अन्य राजनेताओं के पास नहीं होता है।"

'मेरी दादी मृत्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। जम्मू-कश्मीर के लिये नीति-निर्माण यहां की जनता नहीं, बल्कि भाजपा करती है, ताकि वह भावनाओं को भड़का सके। उन्होंने कहा कि रिलायंस फुटकर स्टोर खोले जा रहे हैं और स्थानीय छोटे व्यवसाय को खत्म किया जा रहा है। प्रियंका ने कहा कि लेफ्टिनेंट गवर्नर जम्मू-कश्मीर से बाहर के अपने मित्रों की मदद कर रहे हैं, जबकि मोदी सरकार अडानी और अम्बानी की मदद कर रही है और स्थानीय लोग इस बात को लेकर चिन्तित हैं कि उनके पास कोई काम धंधा रहेगा या नहीं। प्रियंका ने कहा कि केवल कांग्रेस ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देगी। उन्होंने "दरबार" को श्रीनगर से जम्मू शिफ्ट करने की 150 वर्ष पुरानी परम्परा को पुनर्स्थापित करने का वादा किया।

गुजरात के द्वारका में भीषण रोड एक्सीडेंट, 7 मरे

द्वारका, 28 सितंबर। गुजरात के द्वारका में चार वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, द्वारका से करीब छह किलोमीटर दूर हाईवे रोड पर बरडिया के पास एक निजी बस, दो कारों और एक बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। एक्सीडेंट में जो लोग घायल हुए, उन्हें द्वारका सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने कहा कि शनिवार शाम द्वारका के पास एक बस के डिवाइडर से टकराने और दो कारों और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से तीन बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना शाम करीब 7:45 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 51 पर हुई, जब बस द्वारका से सोमनाथ की ओर जा रही थी।

एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस के चालक ने सड़क पर बैठे मवेशियों से बचने की कोशिश की तो वह डिवाइडर से टकरा गई और विपरीत दिशा से आ रही दो कारों और एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। द्वारका जिला कलेक्टर ने कहा, 14 से अधिक लोगों को चोटें आई हैं। रोड एक्सीडेंट की जानकारी मिलने पर राज्य मंत्री मुलुभाई बेरा और सांसद पूनमबेन माडम मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिसकर्मियों को घायलों की हर संभव मदद करने का निर्देश दिया।

हिजबुल्लाह चीफ की मौत पर दुखी हैं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 28 सितंबर। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने शोक जताया है। उन्होंने नसरल्लाह को शहीद बताया और कहा कि वे कल की अपनी सभी चुनावी रैलियां स्थगित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वे लैबनान और फिलिस्तीन के लोगों के साथ खड़ी हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, लैबनान और गाजा के शहीदों, खास तौर पर हसन नसरुल्लाह के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मैं कल के अपने अभियान रद्द कर रही हूँ। हम इस दुख और प्रतिरोध की घड़ी में फिलिस्तीन और लैबनान के लोगों के साथ खड़े हैं।

बलिया में लखनऊ-छपरा एक्सप्रैस पलटने की साजिश

- रेलवे ट्रैक पर रखे पत्थर से ट्रेन का सैफ्टी गार्ड टकराया। लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला।

बलिया, 28 सितंबर। देश में ट्रेनों को पलटाने की साजिश के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला बलिया से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बलिया में शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक पर रखा पत्थर बिहार जा रही लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन के सेफ्टी गार्ड से टकरा गया। ये घटना बलिया के बकुल्हा स्टेशन और माझी पुल के बीच सुबह 10.40 बजे की है। गाड़ी नंबर 15054 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस ट्रेन रेलवे ट्रैक से गुजर रही थी। माझी पुल से करीब 200 मीटर पहले ट्रेन के इंजन के कैटल गार्ड से ट्रैक पर रखा पत्थर टकरा गया।

लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को तत्काल रोका और रेलवे अफसरों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि ट्रेन के इंजन के कैटल गार्ड से टकरा कर ट्रैक पर रखा पत्थर हट गया था। इसके बाद कोई गड़बड़ी न मिलने पर सेफ्टी सुनिश्चित कर लोको पायलेट ने गाड़ी को गन्तव्य की ओर रवाना किया। लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा रेल हादसा होने से टल गया।

सूचना के बाद रेलवे पुलिस और सिविल पुलिस के अफसर मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। पुलिस और रेलवे पुलिस मामले की गहन जांच मे जुटी हुई है। इस घटना में ट्रेन में सवार किसी भी यात्री को कोई क्षति नहीं पहुंची। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

इससे पहले यूपी, मध्य प्रदेश, पंजाब और गुजरात में कई ट्रेनों को पलटाने की कोशिश के मामले सामने आ चुके हैं। बठिंडा-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर नौ लोहे की छड़ें मिलीं थीं। वहीं, कानपुर में सुबह 5:50 बजे प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर 5 लीटर का खाली गैस सिलेंडर पाया गया था।

क्या उत्तर प्रदेश में योगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे उपलब्ध नहीं थे, और बाहरी लोगों को पार्टी में शामिल करते ही महत्वपूर्ण पद दे दिये गये। पार्टी के लोग स्थानीय नौकरशाही व पुलिस अधिकारियों से भी नाराज़ थे, कि वे उनको तवज्जो नहीं देते थे व उनकी शिकायतों की अनदेखी करते थे। पार्टी के ऊँची जाति के कार्यकर्ता को अन्य पिछड़े वर्ग और दलितों को दिया जा रहा अधिक प्रतिनिधित्व पसंद नहीं था, जबकि पिछड़े वर्गों व दलितों की मान्यता थी कि उसका प्रतिनिधित्व पर्याप्त से काफी कम है। कारवां के ताजा संस्करण में सुनील कश्यप ने यह बात स्पष्ट रूप से कही है।

अंदरूनी असंतोष शीघ्र ही सबके समने आ गया था जब आदित्यनाथ के दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने अपनी राय पर जोर देना शुरु किया और मुख्यमंत्री को कुछ अलोकप्रिय निर्णय वापस लेने पड़े।

कश्यप का विश्लेषण है कि इस सबके कारण "यह धारणा जोर पकड़ रही है कि उनका समय समाप्त हो रहा है और वे "उधार लिये समय" (बॉरोड टाइम) पर हैं। अब जब उत्तर प्रदेश इस वर्ष के अन्त में होने वाले उपचुनावों की तैयारी कर रहा हैं, राजनीतिक परिदृश्य में शीघ्र कुछ बड़े परिवर्तन हो सकते हैं। इस नये संसार में आदित्यनाथ का स्थान कहाँ होगा।

कर्नाटक के मु.मंत्री अति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकते हैं। इस समय कर्नाटक में दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के बीच एफ.आई.आर. बनाम एफ.आई.आर. की जंग छिड़ गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने एक पल गंवाए बिना भाजपा के प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेताओं पर हमला बोल दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीमारमन, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिए वसूली के आरोप में तीन महीने में रिपोर्ट आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के मामलों से डील करने वाली विशेष अदालत ने निर्मला सीतारमन के खिलाफ एफ.आई.आर. की अनुमति दी है। वो कौन है, वो केन्द्रीय मंत्री हैं और उनके खिलाफ भी एफ.आई.आर. है। ये लोग इलैक्टोरल बॉण्ड के जरिए एक्सटॉर्शन करने में लिप्त थे। उन पर एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। क्या वे उन्हें भी इस्तीफा देने को कहेंगे क्योंकि उन पर भी एफ.आई.आर. दर्ज हुई है।"

मुख्यमंत्री ने कहा, अब प्रिवैंशन ऑफ करप्शन एक्ट के भाग 17(ए) के तहत जाँच की जानी चाहिए और तीन माह में रिपोर्ट आनी चाहिए और इस आधार पर उन्होंने एफ.आई.आर. दर्ज की है तथा आगे जाँच हो रही है। मुख्यमंत्री के खिलाफ भी 17(ए) के तहत ही जाँच चल रही है। सिद्धारमैया ने कहा, क्या पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केन्द्रीय मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी से इस्तीफा नहीं मांगेगे, क्योंकि उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मुख्यमंत्री ने बेहद आक्रामक अदांज में कहा "पहले कुमारास्वामी इस्तीफा दें क्या उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए, यहाँ तक कि प्रधानमंत्री मोदी को भी इलैक्टोरल बॉण्ड वसूली मामले में इस्तीफा देना चाहिए। निर्मला सीतारमन को भी इस्तीफा देना चाहिए। कुमारास्वामी तो जमानत पर हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।"

मुम्बई युनिवर्सिटी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ ही, रजिस्टर्ड स्नातकों के प्रतिनिधि होते हैं। इस समिति को विश्वविद्यालय का बजट पारित करने का अधिकार होता है। सम्भवत: नवम्बर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से कुछ ही समय पहले आये ये परिणाम आश्चर्यजचकित नहीं कर रहे, क्योंकि शिवसेना (यू.बी.टी.) नेता अनिल परब ने अभी जुलाई में हुये महाराष्ट्र विधान परिषद (एम.एल.सी.) में मुम्बई ग्रेजुएट्स चुनाव क्षेत्र से भी जीत हासिल की थी।

वरुण सरदेसाई, जो आदित्य के चचेरे भाई हैं, जैसे युवा सेना नेता "मोतीश्री" पर जश्न मनाते देखे जा सकते थे। इस विजयोत्सव में कुछ देर के लिये आदित्य ठाकरे में सम्मिलित रहे।

प्रतिबंध के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी के पद पर कार्यरत है। स्थानीय सरपंच की शिकायत पर गत 12 सितंबर को उसका तबादला जिला परिषद, चूरू में कर उसे कार्यमुक्त कर दिया। याचिका में कहा गया कि प्रशासनिक सुधार विभाग ने 4 जनवरी, 2023 को एक आदेश जारी कर 15 जनवरी, 2023 से प्रदेश में राजकीय कर्मचारियों के तबादलों पर प्रतिबंध लगा दिया। वहीं, प्रतिबंध की अवधि में बहुत जरूरी होने पर मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वीकृति लेकर कर्मचारी का तबादला किया जा सकता है। इसके बावजूद अपीलार्थी के मामले में सक्षम स्तर पर अनुमति लिए बिना ही उसका तबादला सरपंच की झूठी शिकायत के आधार पर कर दिया। इसके अलावा पूर्व में भी अपीलार्थी को परिवीक्षा काल में तीन बार तबादला कर परेशान किया गया। ऐसे में उसके तबादला आदेश को रद्द किया जाए।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारी से जवाब मांगा है।

हिजबुल्लाह प्रमुख, अपने मुख्यालय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिडिल ईस्ट के आतंकवादी संगठनों के साथ-साथ हूती विद्रोही भी शामिल थे।

आज के वातावरण में इज़रायल सीमा पार जाकर बड़ी सफलता से अपने शत्रु के टारगैट्स को धराशायी कर रहा है तथा आत्मरक्षा के लिए विदेशी भूमि पर हमले के अपने अधिकार का प्रदर्शन कर रहा है। भारत ने भी दो साल पहले ऐसा किया था। यह सब इस बात की कठोर चेतावनी है कि भविष्य में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी।

इस मुद्दे को भाजपा ने कांग्रेस के विरुद्ध अपनी लड़ाई में हरियाणा चुनाव अभियान के दौरान जोर -शोर से उठाया है। हसन नसरल्लाह की हत्या से ईरान भारी दबाव में आ गया है तथा मिडिल ईस्ट में स्थित इस्लामिक आतंकी समूहों का मुख्य संरक्षक होने के उसके स्टेटस को भी क्षति पहुंची है। नसरल्लाह की मृत्यु के बाद यदि ईरान सीधे ही इज़रायल पर हमला करता है तो वो इस पूरे संघर्ष में फंस जाएगा और पश्चिमी देशों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने की उसकी नई कोशिश को धक्का लगेगा।

अगर ईरान खामोश बना रहता है तो उसे उग्रवादी इस्लामिक ग्रुपों के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा तथा उसकी प्रतिष्ठा एवं उग्रवादी संगठनों पर उसका नियंत्रण कम हो जायेगा। इज़राइल की तरफ से हुये इस ताजातरीन हमले का प्रत्युत्तर को और ज्यादा भड़का सकता है।

इज़राइल के खिलाफ सीधे हमले में ईरान की लिप्तता की गंभीर सीमाएं हैं। इसके अलावा, ईरान की लिप्तता एक देश के रूप में, एक सरकार के रूप में होगी, जबकि इसके विपरीत, मौजूदा लिप्तता मुख्यत: हिजबुल्ला जैसे गैर-सरकारी संगठनों की ही थी। ज्ञातव्य है कि दक्षिण लैबनान में हिजबुल्लाह का बेस है। मध्य-पूर्व के इस जवाबी हमले की स्थिति में, अगर अमेरिका ज्यादा सक्रियता से कूद पड़ता है तो फिर जवाब बहुत गंभीर होगा। इज़राइल के खिलाफ ईरान की सीधी लिप्तता निश्चित रूप से अमेरिका को इस मामले में खींच लायेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों से होने वाले व्यापक हमलों की स्थिति में, वह इज़राइल की रक्षा के लिये आगे आ जायेगा।

कुछ इराकी ग्रुपों ने इज़रायल पर कुछ छुट-पुट हमले पहले ही शुरु कर दिये हैं, तथा हिजबुल्लाह अपने मुख्य कमांडरों तथा अपने चीफ की मृत्यु से हतोत्साहित भले ही हो गया हो, लेकिन वह इज़रायल पर अपनी मिसाइलों से हवाई हमले कर सकता है। मध्य-पूर्व में नॉन-स्टेट उग्रवादियों की संख्या बहुत बढ़ती जा रही है तथा वे और अधिक सक्रिय होने के लिये बेचैन हो रहे हैं।

इस्लामिक जगत में इस प्रकार के आवेशपूर्ण माहौल के बीच, पाकिस्तान ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुये, यू.एन. जनरल असैम्बली में भारत पर शाब्दिक हमला किया है। पाक प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों को "दोषपूर्ण" कवायद बताया है। शरीफ ने राज्य को विशेष दर्जा देने वाले विवादास्पद अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग की है। उन्होंने अपने भाषण में भारत में अल्पसंख्यक - उत्पीड़न का भी उल्लेख किया है तथा इस्लामिक एकता की जरुरत बताई है।

लेकिन समझने योग्य बात यह है कि पाकिस्तान की रसातल में पहुंच चुकी आन्तरिक स्थिति तथा उसकी घोर आर्थिक असफलता के चलते, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के पास भारत पर प्रहार करने के अलावा, और कोई विकल्प बचा भी नहीं है। पाकिस्तान अब भी, विदेशी ऋण भुगतान संकट से जूझते हुये, आई.एम.एफ. के साथ 'बेल-आउट लोन पैकेज' के लिये बातचीत कर रहा है।

लोक अदालत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। दोनों पक्षों की सहमति से मुकदमों का निस्तारण होने के चलते मामले में अपील भी नहीं होती है। वहीं, प्री लिटिगेशन के जरिए पीड़ित व्यक्ति मुकदमा दायर करने से पूर्व भी आपसी सहमति से विवाद का निस्तारण कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908